मध्यप्रदेश पर्यटन न्यूज़ लेटर

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का प्रकाशन

नवम्बर-दिसम्बर 2017

मध्यप्रदेश पर्यटन को हॉल ऑफ फेम का राष्ट्रीय अवार्ड

तीन साल से लगातार बेस्ट टूरिज्म स्टेट के उपलक्ष्य में मिला अवार्ड

इस बार भी मध्यप्रदेश पर्यटन को 10 राष्ट्रीय अवार्ड

नई दिल्ली: मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसे लगातार 3 साल से बेस्ट टूरिज्म स्टेट का राष्ट्रीय अवार्ड हासिल हुआ है। इस उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश पर्यटन को नई दिल्ली में हॉल ऑफ फेम अवार्ड (Hall of Fame Award) से नवाज़ा गया। विज्ञान भवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने मध्यप्रदेश के पर्यटन राज्य मंत्री (स्वातंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा, राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक एवं पर्यटन सचिव श्री हरि रंजन राव को यह अवार्ड प्रदान किया। अवार्ड के रूप में ट्रॉफी और प्रशस्ति-पत्र दिया गया। केन्द्रीय पर्यटन एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.जे. अलफोंस भी मौजूद थे।

शेष पृष्ठ 3 पर

अपनी बात

राष्ट्रीय क्षितिज पर मध्यप्रदेश पर्यटन एक बार फिर अग्रणी रूप में उभरकर सामने आया है। एक साथ दस नेशनल अवार्ड मिलना सचमुच कल्पना से परे है। जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्वयं कहा है '10 नेशनल अवार्ड मिलना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है।' इस अभूतपूर्व सफलता और उपलब्धि के लिए 'टीम पर्यटन' को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। प्रदेश को हाल के वर्षों में नेशनल अवार्ड मिलते रहे हैं लेकिन इस बार 'हॉल ऑफ फेम' का नेशनल अवार्ड हमारे लिए बेहद खास है। इस मायने में कि पहली बार स्थापित यह राष्ट्रीय अवार्ड तीन साल से लगातार बेस्ट टूरिज्म स्टेट के रूप में प्रदेश को मिला है। यह सफलता टीम वर्क और सभी के सम्मिलित प्रयासों का सुफल है। मध्यप्रदेश पर्यटन ने साबित कर दिखाया है कि यह पर्यटन क्षेत्र में निरंतर आगे और आगे बढ़ रहा है।

साथियों, जब भी कोई बड़ी कामयाबी हासिल होती है तो उसके साथ अनेक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह कि इस अग्रणी स्थान को बरकरार रखा जाए और आगे के लिए भी निरंतर कोशिशें जारी रहें। मुझे पूरा यकीन और विश्वास है कि मध्यप्रदेश पर्यटन की टीम हर चुनौती पर खरे उतरकर इसी प्रकार सफलताएँ अर्जित करती रहेगी।

हनुवंतिया में जल-महोत्सव (तृतीय) के लिए एक बार फिर हमारी टीम तैयार है। पिछले दो जल-महोत्सव के अनुभव और उपलब्धि तथा सैलानियों से मिले प्रतिसाद से हौसले बुलंद हैं। हालांकि वर्षा की स्थिति से इस बार हनुवंतिया में बेक वॉटर का विगत वर्षों जैसा भंडार नहीं है तथापि पर्यटकों की सहूलियत को ध्यान में रखकर हमारी तैयारी पूरी है।

मध्यप्रदेश टूरिज्म के अनुषांगिक संस्था के रूप में नवगठित 'मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड' का काम-काज और गतिविधियाँ प्रारंभ हो चुकी हैं। राज्य मंत्रि-परिषद ने हाल ही में अपनी बैठक में टूरिज्म बोर्ड के अंशपूंजी धनवेष्ठन मद / योजना को वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए 310 करोड़ रुपए की मंजूरी प्रदान की है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि टूरिज्म बोर्ड की टीम सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर सामूहिक प्रयासों से टूरिज्म बोर्ड के गठन के उद्देश्यों को पूरा करेगी। यह एक नई शुरूआत है लेकिन इससे निश्चित ही मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विस्तार और नए आयाम मिलेंगे। पर्यटन विकास निगम को हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि भोपाल स्थित होटल लेक व्यू, निगम के स्वामित्व में आने से मिली है।

प्रदेश में हाल ही में विशेष पर्यटन अभियान 'पर्यटन पर्व' आयोजित किया गया। अभियान के जरिये विभिन्न गतिविधियों के साथ ही जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (डी.टी.पी.सी.) की बैठकें माननीय जिला प्रभारी मंत्रीगण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इनमें जिला स्तर पर पर्यटन को विविध आयाम दिये जाने पर सार्थक विचार - विमर्श हुआ। इसके माध्यम से इन समितियों को और अधिक गतिशील बनाने के प्रयासों को बल मिलेगा। इसी क्रम में ओरछा में गो-हेरिटेज रन और साइकिल टूरिज्म के रोचक सफर में 'टूर डे सतपुड़ा' का चार दिवसीय सफल आयोजन हुआ। पर्यटन की टीम ने स्वच्छता अभियान में भी अपना सक्रिय योगदान देकर स्वच्छता के संदेश को लोगों तक पहुँचाने के काम को आगे बढ़ाया है। इस अभियान का अच्छा फीडबेक हमें आगे बढ़ने में निश्चित ही और भी मदद करेगा।

मध्यप्रदेश पर्यटन के टी.वी.सी. को सदैव दर्शकों और लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। इस क्रम में जल-महोत्सव को लेकर जारी किए गए टी.वी.सी. ने भी बहुत कम समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है।

शुभकामनाएँ।

(हरि रंजन राव)
प्रबंध संचालक

- **पर्यटन मंत्रालय द्वारा इस साल हॉल ऑफ फेम अवार्ड शुरू किए गए हैं। यह अवार्ड लगातार पिछले तीन साल से उसी श्रेणी में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्राप्त करने वाले राज्य/संगठन/एजेंसी को प्रदान किया जाएगा।**
- **इस साल पुरस्कार की अन्य श्रेणियों में रोमांचक पर्यटन के लिये श्रेष्ठ राज्य और श्रेष्ठ/ वन्य जीव गाइड को भी शामिल किया गया है।**

विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर मध्यप्रदेश को एक बार फिर एक साथ 10 राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुए। नेशनल अवार्ड वितरण समारोह में मध्यप्रदेश में आयोजित 'जल-महोत्सव हनुवंतिया को मोस्ट इनोवेटिव टूरिस्ट प्रोडक्ट' और मध्यप्रदेश टूरिज्म को बेस्ट स्टेट फॉर एडवेंचर टूरिज्म का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ। 'चंदेरी को बेस्ट हेरिटेज सिटी', खरगौन को सिविक मैनेजमेंट ऑफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन ऑफ इंडिया, उज्जैन रेलवे स्टेशन को टूरिस्ट फ्रेंडली रेलवे स्टेशन और इंग्लिश कॉफी टेबल बुक को एक्सिलेंस इन पब्लिशिंग का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ।

इसी प्रकार बेस्ट फिल्म प्रमोशन फ्रेंडली स्टेट/यूनियन टेराटोरी में फिल्म प्रमोशन पॉलिसी का राष्ट्रीय अवार्ड भी मध्यप्रदेश पर्यटन को प्राप्त हुआ। सिंहस्थ-2016 में मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा प्रकाशित हिन्दी ब्रोशर को एक्सिलेंस इन पब्लिशिंग इन हिन्दी ब्रोशर का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ। बेस्ट वाइल्ड लाइफ गाइड का राष्ट्रीय पुरस्कार पचमढ़ी के श्री सईब खान को प्राप्त हुआ।

मध्यप्रदेश पर्यटन के लिए 27 सितम्बर का दिन बड़ा महत्वपूर्ण रहा जब नई-दिल्ली में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार के गरिमापूर्ण समारोह में पर्यटन के लिये प्रतिष्ठित 10 अवार्ड एक साथ मध्यप्रदेश को मिले। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पर्यटन को लगातार तीसरे साल पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुए हैं। पिछले वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन को 5 और इसके पूर्व वर्ष में 6 राष्ट्रीय अवार्ड सहित अन्य अवार्ड प्राप्त हुए थे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में अनेक मनोरम पर्यटन स्थल, तीन विश्व धरोहर, दो ज्योतिर्लिंग, ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक स्थल, ईको टूरिज्म, राष्ट्रीय उद्यान आदि पर्यटन स्थल किसी भी पर्यटक को मंत्रमुग्ध करने की क्षमता रखते हैं। यह पर्यटन स्थल सैलानियों को आल्हादित कर देते हैं। इस मौके पर म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम की एम.डी. श्रीमती छवि भारद्वाज, अपर प्रबंध संचालक डॉ. श्रीकांत पाण्डेय, तत्कालीन कार्यपालिक निदेशक श्री ओ.वी. चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राज्य-स्तरीय पर्यटन क्विज में भोपाल विजेता और सतना के छात्रों का ग्रुप उप विजेता

भोपाल : मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं डी.टी.पी.सी. भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर आयोजित राज्य-स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में डी.पी.एस. भोपाल के छात्रों का ग्रुप विजेता एवं सतना जिले के विद्यालयीन छात्रों का समूह उप विजेता रहा। विजेता, उप-विजेता और अन्य प्रतिभागियों को सांसद श्री आलोक संजर एवं भोपाल कलेक्टर श्री सुदाम खाड़े ने मेडल और प्रमाण-पत्र वितरित किये।

क्विज प्रतियोगिता में इन विजेता, उप-विजेता ग्रुप के अलावा सीधी, दमोह, बैतूल एवं अशोकनगर जिले के विद्यालयीन छात्रों के ग्रुप ने हिस्सा लिया।

टीवी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर हुई मल्टी मीडिया क्विज में प्रदेश के पुरातत्व महत्व के प्राचीन धरोहर, पर्यटन स्थल और धार्मिक पर्यटन स्थलों पर केन्द्रित 120 प्रश्नों को चित्रों के माध्यम से स्थान और उनकी विशेषताओं को पूछा गया। क्विज मास्टर श्री रविकांत ठाकुर की प्रस्तुति को सभी ने सराहा। के.बी.सी. की तर्ज पर ही मल्टीमीडिया क्विज में 'झट-पट बोल, सोच समझकर बोल, नक्शे में पहचानो, जो बोला वही सिकंदर, हमारे प्रदेश की पहचान - हमारे पर्यटन की शान, बोलो-बोलो मैं हूं कौन, पारखी नजर, अब बताओ तो जाने, सिनेमा और मध्यप्रदेश जैसे रोचक और ज्ञानवर्धक राउण्ड हुए। प्रतिभागियों ने इसमें उत्साह से हिस्सा लिया।

इसके पूर्व राज्य-स्तरीय पर्यटन क्विज के प्रथम चरण में लिखित क्विज प्रतियोगिता हुई। इसमें प्रदेश के 51 जिलों से विद्यालयीन छात्र-छात्राएँ प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। लिखित क्विज प्रतियोगिता में शामिल हुए छात्र-छात्राओं ने भोपाल को स्वच्छता में नम्बर वन बनाने की शपथ भी ली। विभिन्न जिलों से आये छात्र-छात्राओं ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने जिले, खास तौर पर अपने नगर को स्वच्छ बनाने में सक्रिय भागीदारी निभायेंगे।

हमारे प्रदेश और जिले को जानने-समझने का मौका मिला

भोपाल : 'पर्यटन क्विज में भाग लेकर हमें अपने प्रदेश और जिले के पर्यटन महत्व के स्थलों और ऐतिहासिक धरोहर और पुरातत्व स्थलों को जानने – समझने का दुर्लभ मौका मिला है। हमने यह जाना कि भोपाल और इसके आस-पास घूमने-फिरने के इतने अच्छे स्थान हैं। क्विज में बड़े रुचिकर और ज्ञान बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे गये। इस प्रतियोगिता में भाग लेकर हमारा सामान्य ज्ञान बढ़ा है।' यह कहना है पर्यटन क्विज में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का। इन छात्र-छात्राओं ने भोपाल के मॉडल स्कूल में पर्यटन क्विज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भोपाल की छात्रा प्रिंसी गोस्वामी का कहना है कि प्रतियोगिता में विजेता जो भी बने, लेकिन इसमें शामिल होना एक अच्छा अनुभव रहा है। क्विज में भाग लेने के लिये उनके पैरेन्ट्स और टीचर ने अच्छी तैयारी करवाई थी। इसी तरह क्विज में भाग लेने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं ने इस क्विज को सामान्य ज्ञान बढ़ाने वाली बताते हुए इसके कुशल प्रबंधन को सराहा।

क्विज आयोजन स्थल मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल में परीक्षा कक्षों को नर्मदा सहित गोदावरी, कावेरी, ताप्ती, बेतवा आदि नदियों के नाम दिये गये थे। विद्यालय परिसर में आकर्षक स्लोगन – 'मार्बल पहाड़, चमके-जैसे चंदा मामा और एम.पी. में दिल हुआ बच्चे सा' आदि प्रदर्शित किये गये थे। आयोजन स्थल के गेट को 'राजा भोज द्वार' नाम दिया गया था। प्रतिभागी ऊब न जायें, इस उद्देश्य से गीत-संगीत का कार्यक्रम प्रतियोगिता के अंतराल में रखा गया था। इस मौके पर नई दिल्ली से आए ग्रुप ने 'नमामि शमीशान् निर्वाण रूपम' शिव आराधना पर आधारित कत्थक नृत्य की प्रस्तुति की जिसे काफी सराहा गया। प्रतिभागियों के साथ ऑडियंस से भी रोचक सवाल पूछे गए। इनमें सास-बहू का मंदिर कहाँ स्थित है, सबसे ज्यादा बाघ किस नेशनल पार्क में पाए जाते हैं, गोल घर में कितने गेट हैं सहित खजुराहो, मांडू, पचमढ़ी, ओरछा, ओंकारेश्वर, उज्जैन, महेश्वर, कान्हा, चंदेरी, शिवपुरी आदि अनेक पर्यटन स्थलों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों और ऑडियंस को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में प्रथम चरण की पर्यटन स्कूल क्विज आयोजित की गई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं को 27 सितम्बर, 2017 को विश्व पर्यटन दिवस पर पुरस्कृत किया गया। उन्हें पर्यटन स्थलों की सैर का भी अवसर उपलब्ध कराया जायेगा। यह क्विज जिला प्रशासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (डी.टी.पी.सी.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

हनुवंतिया

अलार्म नहीं चिड़ियों के चहचहाने से जागते हैं सैलानी

◆ आर.बी.त्रिपाठी

अलसुबह जागने के लिये यहाँ आपको अलार्म सेट करने की जरूरत नहीं। रिसॉर्ट के काउण्टर पर मौजूद अटेंडेंट को भी बताना आवश्यक नहीं है। यहाँ आपको नींद से जगाने के लिये चिड़ियों का चहचहाना या अन्य पक्षियों का कलरव गान ही पर्याप्त है।

जी हाँ.....। मध्यप्रदेश के वॉटर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स हनुवंतिया में बड़ी सुबह आप चिड़ियों के चहचहाने से ही जाग जायेंगे। नर्मदा पर बने इंदिरा सागर बाँध के बेक वॉटर से निर्मित जल-भंडार के किनारे बने रिसॉर्ट में रात रुकने पर अगली सुबह विभिन्न प्रजाति के रंग-बिरंगे पक्षी आपका स्वागत करते हैं। अब तो परिसर में बने चिल्ड्रन जोन में बतख भी घूमते नजर आते हैं। एक तरफ तेज हवाओं से उठती पानी की लहरों का आनंद और रिसॉर्ट की बालकनी पर या नजदीक के छोटे से गार्डन में पक्षियों का कलरव आपकी सुबह को वाकई यादगार बनाने के लिये काफी है। खान-पान के शौकीन लोगों के लिये भी हनुवंतिया बेहद खास जगह है। यहाँ उनके लिये सुस्वादु भोजन और अन्य व्यंजन भी उपलब्ध हैं।

कौन कहता है कि 'गौरैया' विलुप्त हो रही है? हनुवंतिया में बहुतायत में गौरैया मौजूद हैं, अपने पूरे वजूद के साथ। गौरैया ही नहीं अन्य प्रजाति के रंग-बिरंगे पक्षी भी यहाँ नजर आते हैं। चिड़ियों के झुण्ड को आप अपने कैमरे में जरूर कैप्चर करना चाहेंगे। हालांकि यह मुश्किल काम है। हनुवंतिया जाने वाले सैलानियों के लिये एक और अच्छी खबर है। हनुवंतिया से तकरीबन 15 किलोमीटर दूर स्थित बोरियामाल टापू पर अब आपको चीतल के झुण्ड स्वच्छंद विचरण करते नजर आएंगे। हाल ही में बोरियामाल टापू पर पेंच नेशनल पार्क से लाकर चीतलों को यहाँ के जंगल में छोड़ा गया है।

हनुवंतिया से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बोरियामाल टापू की यात्रा आपको स्पीड बोट, जलपरी, क्रूज आदि से तय करना होती है। बोरियामाल की जल-यात्रा के लिये हवाओं का सामान्य होना जरूरी है। यह यात्रा साहसिक और रोमांच से भरी होती है। बीच-बीच में छोटी-छोटी नाव या डोंगे पर मछली पकड़ते मछुआरे आपको नजर आएंगे। बोरियामाल टापू वन परिक्षेत्र चाँदगढ़, ईको विकास समिति और वन सुरक्षा समिति पामाखेड़ी के अंतर्गत शामिल हैं। यहाँ वन विभाग की वनजल चौकी स्थित है। इसमें शामिल टापुओं की संख्या 23 है। यहाँ आस-पास की अन्य वनजल चौकियों के अलावा भी सैलानियों की सुविधा के लिये वन क्षेत्र का गूगल मेप

प्रदर्शित किया गया है। ऊर्जा विकास निगम द्वारा सोलर फोटो वोल्टेइक पॉवर प्लान्ट भी लगाया गया है।

पामाखेड़ी निवासी लालसिंह बताते हैं कि इस टापू पर टेमरू, पलास (खांकरा), सागौन, अंजन, धामन, लेडिया आदि के पेड़ बहुतायत से पाये जाते हैं। टेमरू के पेड़ के तने को देखकर लगता है कि किसी कुशल कारीगर ने अपने हाथ से इसे विभिन्न पीसेस में बहुत ही करीने से बाँटा है। लेकिन यह प्राकृतिक रूप से ऐसा ही पाया जाता है। इस टापू सहित आस-पास के सघन वन में तेंदुआ, भालू, हिरण, चिंकारा, नीलगाय, भेड़की और बंदर तथा जंगली सुअर मुख्य रूप से पाये जाते हैं। यदा-कदा टाइगर भी यहाँ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। यहाँ पर नाइट कैम्पिंग, नेचुरल वॉक, साइकिलिंग, आदि की सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जल-महोत्सव के दौरान बोरियामाल टापू पर अन्य साहसिक और रोमांचक गतिविधियाँ भी होती हैं।

हनुवंतिया वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बन जाने से इस वीरान से क्षेत्र में भी गतिविधियाँ बढ़ गई हैं। हनुवंतिया मास्टर प्लान घोषित होने से यहाँ उपलब्ध आस-पास की जमीनों के भाव में कई गुना वृद्धि हुई है। भोपाल, इंदौर और दूर-दूर से अनेक लोग आकर यहाँ जमीनों के भाव की तलाश करते हैं। हनुवंतिया निवासी नारायण पटेल और डाबरी के किसान बलिराम बताते हैं कि 'इंदिरा सागर बाँध से आस-पास के 254 गाँवों पर विस्थापन हुआ है। डूब प्रभावित किसानों को समुचित मुआवजा मिला है और उन्हें उदवहन सिंचाई योजना का भी लाभ मिला है। क्षेत्र में सड़क और बिजली की स्थिति में सुधार हुआ है। लोगों को व्यवसाय मिला है और इससे उनके जीवन में बदलाव आ रहा है।'

टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स हनुवंतिया में तकरीबन 40 लोग कार्यरत हैं। इनमें से ज्यादातर हनुवंतिया, पुरनी, डाबरी, बोरखेड़ाकलां आदि के रहने वाले हैं। इनमें से लोकपाल और राकेश ने बताया कि 'उन्होंने स्पीड बोट, मोटर बोट, जलपरी के साथ ही क्रूज चलाने की ट्रेनिंग भी भोपाल से ली है। यहाँ हमारी मुलाकात देवेन्द्र, सुरेश यादव, रमेश, नैनसिंह, राजेश राठौर, विष्णु यादव और वैंकटेश्वर से हुई जो टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स पर संचालित विभिन्न, गतिविधियों से जुड़े हुए हैं'। सुरक्षा की दृष्टि से लाइफ जैकेट, लाइफ ब्वाइज और रेस्क्यू बोट यहाँ उपलब्ध रहती है। द्वितीय जल-महोत्सव के दौरान लगभग साढ़े पाँच

लाख पर्यटक हनुवंतिया पहुँचे और अकेले फरवरी माह के दौरान 17 हजार से अधिक पर्यटक पहुँचे। कोटला निवासी योगेन्द्र तोमर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में दिसम्बर 2015 से कार्यरत हैं। वे बताते हैं कि ज्यादातर पर्यटक इंदौर, भोपाल और आस-पास के इलाके से यहाँ आते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश के साथ ही गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु आदि राज्यों से भी पर्यटक हनुवंतिया पहुँचते हैं।

मास्टर प्लान

हनुवंतिया में द्वितीय जल-महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर 'हनुवंतिया विस्तार योजना' के मास्टर प्लान का अनावरण किया गया। इसमें लगभग 308 हेक्टेयर का विस्तृत विकास प्लान तैयार किया गया है। इस क्षेत्र के सुनियोजित विकास के लिये यह मास्टर प्लान 10 साल के लिये लागू होगा।

जल-महोत्सव

हनुवंतिया में द्वितीय जल-महोत्सव विविध रोमांचकारी और साहसिक गतिविधियों के साथ सफलता से संपन्न हुआ। लगभग साढ़े पाँच लाख सैलानियों ने एक माह के आयोजन में हिस्सा लिया। जल-महोत्सव का विशेष आकर्षण केरल की तर्ज पर हनुवंतिया में संचालित दो हाउस बोट रही।

इस साल जल-महोत्सव

हनुवंतिया में इस साल का जल-महोत्सव 15 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 2 जनवरी 2018 तक चलेगा। जल-महोत्सव के दौरान दूर-दूर से आए पर्यटकों को हनुवंतिया वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर में विकसित सुविधाओं का लुत्फ लेने के साथ ही साहसिक और रोमांचकारी खेलों की विस्तृत श्रृंखला, जिसमें जल, जमीन और आकाश के साहसिक खेल शामिल हैं, में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। खास तौर से वीकेंड, अवकाश, शीतकालीन अवकाश, वर्षांत एवं नव-वर्ष 2018 का स्वागत करने तथा अन्य अवकाश दिवसों में पर्यटकों की बड़ी तादाद में आवाजाही बनी रहने की संभावना है। यह सब इस बात का प्रतीक है कि जल-पर्यटन क्षेत्र में हनुवंतिया ने अपना एक विशिष्ट स्थान बना लिया है और इस मनोरम स्थल की प्रसिद्धि चहुँओर फैल रही है।

नेशनल टूरिज्म अवार्ड समारोह

चित्रमय झलकियाँ

DB POST
CITY
19 activities to draw tourists to the luxury & adventure extravaganza at Hanuwantiya
Jal Mahotsav to have an extended run this time
Will be held from October 15, 2017 to January 2, 2018
Business Standard
Investors Meet and Road Show begins for investment promotion in tourism
the pioneer
MP Tourism to develop 15 more water bodies
Madhya Pradesh Tourism wins Hall of Fame Award
MP bags 'Best Tourism State' award for 3rd time in a row
MP tourism's new ad takes 'dil bache sa' theme forward
Tour de Satpura flag off with grand ceremony
Competitive race held at Sillewani Ghat near Ramakona
Tourism award to MP, third year in a row
Bags 10 Awards | Amarkantak Disabled-Friendly, Ujjain My Station Loved By Tourists
indiatoday.in
MP bags Best Tourism State award for 3rd time in a row
vivacity
आत्मिक शांति का अनुभव कराता है ओरछा
नवदुनिया
मप्र में ही केरल जैसा फील मिलेगा
PRESS TRUST OF INDIA
MP bags 'Best Tourism State' award for 3rd time in a row

बाग प्रिंट ने अमेरिका वासियों का फिर मन मोहा

भोपाल: विश्व में अपनी पहचान बना चुकी मध्यप्रदेश की बाग हस्तशिल्प कला ने एक बार फिर अमेरिका में लोगों का मन मोहा है। यह पहला मौका है कि भारत की ओर से धार जिले के बाग कस्बे की प्रसिद्ध हस्तशिल्प कला का अमेरिका में दूसरी बार प्रदर्शन किया गया। हाल ही में अमेरिका के सेन्टाफे शहर में हुए अंतर्राष्ट्रीय फोक आर्ट मार्केट में भारत की ओर से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद युसूफ खत्री ने परम्परागत आदिवासी हस्तकला का परचम फहराया। इस प्रदर्शन-सह-बिक्री आयोजन में विश्व के 90 देशों ने भाग लिया।

फोक आर्ट मार्केट की निदेशक साचिको उमी ने बाग प्रिंट की सराहना करते हुए कहा कि इसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए कलाकारों को आगे मौके दिये जाने चाहिये। मोहम्मद युसूफ खत्री ने अमेरिका की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक एवं परम्परागत परिधान डिजाइन किये थे। इनकी प्रदर्शनी काफी लोकप्रिय रही। तीन दिवसीय प्रदर्शनी में श्री युसूफ के सिल्क स्कार्फ, स्टोल, टेबल रनर, बेम्बू मेट की काफी माँग रही।

बाग प्रिंट को मिली सराहना

मोहम्मद युसूफ खत्री वर्ष 2009 में भी अमेरिका के फोक आर्ट मार्केट में अपनी हस्तकला का यादगार प्रदर्शन कर चुके हैं। उनके द्वारा बार्सिलोना स्पेन में वर्ष 1991, हेनोवर जर्मनी के वर्ल्ड एक्सपो 2000, मार्टेनिक फ्रांस 2005, बार्सिलोना स्पेन में वर्ल्ड एक्स्पो 2005, बेहरीन में सुकल हिन्द फेस्टिवल 2006, बेल्जियम के ब्रुसेल्स में फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2006, इटली के मिलान में मेकफेयर 2009, कोलम्बिया के बगोटो शहर में आर्टिजनो हैण्डीक्राट फेयर 2009, मिनाल इटली फेयर 2010, अर्जेंटीना के ब्यूनिसआयर्स में भारत महोत्सव 2011 सहित देश के कई नगरों में अपनी कला का जीवंत प्रदर्शन कर चुके हैं।

पन्ना टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या बढ़ी

भोपाल : पन्ना टाइगर रिजर्व में पिछले 30 जून को समाप्त हुए पर्यटन-वर्ष 2016-17 में 38 हजार 545 पर्यटक ने भ्रमण किया। पर्यटकों में 28 हजार 79 भारतीय और 10 हजार 466 विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

क्षेत्र संचालक ने बताया कि रिजर्व में कर्मचारियों की मेहनत और शासन द्वारा पर्यटक सुविधाएँ बढ़ाने से लगातार दूसरे साल पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले साल 36 हजार 730 और वर्ष 2014-15 में 14 हजार 897 पर्यटक पन्ना टाइगर रिजर्व की वानस्पतिक, प्राकृतिक सुंदरता और बाघों की बढ़ती संख्या का नजारा लेने आये थे।

पर्यटन प्रेमियों के लिये जुलाई से बफर जोन में पर्यटन की सुविधा शुरू कर दी गयी है। बफर जोन पर्यटन के लिये ऑनलाइन सुविधा जारी है। पन्ना टाइगर रिजर्व का अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन वेबसाइट 'ट्रिप एडवाइजर' द्वारा पिछले साल की तरह इस साल भी 2017 के अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस के लिये चयन किया गया है। यह अवार्ड पर्यटकों के भ्रमण के बाद संतुष्टि के आधार पर दिया जाता है।

वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने 15 जल-क्षेत्र अधिसूचित

पर्यटन में निवेश संवर्धन के लिये इंवेस्टर्स मीट एवं रोड-शो

भोपाल : प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में निवेश संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर किये जाने वाले रोड-शो एवं इंवेस्टर्स मीट की श्रंखला की शुरूआत भोपाल से हुई। निवेशकों को प्रदेश की नई पर्यटन नीति और पर्यटन में निवेश की संभावनाओं और सहूलियतों से अवगत करवाने के मकसद से दो माह में 7 और स्थानों पर रोड शो और इंवेस्टर्स मीट आयोजित किये गए।

इंवेस्टर्स मीट में बताया गया कि 16 प्रकार के टूरिज्म प्रोजेक्ट के लिये भूमि आवंटित की जा रही है। लगभग 477 हेक्टेयर का लैण्ड बैंक बनाया गया है। तकरीबन 19 यूनिट को 24 करोड़ का पूँजीगत अनुदान मुहैया करवाया गया है। वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने के मकसद से 15 वॉटर बॉडीज अधिसूचित की गई है। लैण्ड अलोकेशन की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है।

भोपाल में प्रथम रोड-शो एवं इंवेस्टर्स मीट का शुभारंभ करते हुए राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने कहा कि राज्य शासन ने प्रदेश में निवेशकों के अनुकूल और निवेशक मित्र पर्यटन नीति लागू की है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे उदार नीति का लाभ उठाकर पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिये आगे आएँ। श्री भौमिक ने प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जल-पर्यटन क्षेत्र में हाउस बोट, क्रूज और अन्य वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की शुरूआती पहल की गई है।

पर्यटन सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के एम.डी. श्री हरि रंजन राव ने कहा कि पर्यटन का क्षेत्र आज रोजगार सृजन का प्रमुख जरिया बन गया है। श्री राव ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में 10 लाख रुपए के निवेश पर लगभग 78 जॉब क्रिएशन होते हैं जो कि अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में पर्यटन की एक दर्जन से अधिक होटलें और रिसॉर्ट हैं जो सदैव फुल रहती हैं। स्पष्ट है कि प्रदेश में होटल और हॉस्पिटेलिटी के क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएँ हैं। इसके लिये निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है।

टूरिज्म बोर्ड के निवेश संवर्धन संचालक श्री ए.के.राजोरिया ने अपने प्रेजेंटेशन में नई पर्यटन नीति, वॉटर टूरिज्म पॉलिसी, हेरिटेज होटल्स के विकास, मार्ग सुविधा केन्द्रों के संचालन में निजी क्षेत्र की भागीदारी और होम-स्टे योजना सहित नई पर्यटन नीति के प्रमुख बिन्दुओं से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि आगामी 2020 तक प्रदेश में 19 हजार से अधिक कक्षों की जरूरत का आकलन किया गया है। स्पष्ट है कि होटल और हॉस्पिटेलिटी में निजी क्षेत्र के लिये बेहतर अवसर मौजूद हैं। अगले एक दशक में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और पूंजीगत निवेश में लगभग 10 गुना इजाफा होने की संभावना है। प्रेजेंटेशन में नवगठित टूरिज्म बोर्ड के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली, निवेश संवर्धन सेल, लैण्ड बैंक, तृतीय जल-महोत्सव हनुवंतिया सहित टूरिज्म सेक्टर में नए पोटेंशियल, रोड-मैप और भविष्य की संभावनाओं पर भी उपयोगी जानकारी दी गई। प्रारंभ में सी.आई.आई. के अध्यक्ष श्री के.एस.नंदा, श्री प्रदीप एवं श्री राजेश अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रश्नोत्तर सत्र में उपस्थित प्रतिभागियों और निवेशकों के जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों के समाधानकारी उत्तर भी दिये गये।

इसी क्रम में ग्वालियर, जबलपुर, कटनी, हरदा, इंदौर और रीवा में सी.आई.आई. और पी.एच.डी.सी.सी.आई. के साथ समन्वय से रोड-शो एवं इंवेस्टर्स मीट पर सफल आयोजन किया गया।

रोड-शो एवं इंवेस्टर्स मीट की इस श्रंखला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में होटल्स, रिसॉर्टस, हेरिटेज प्रॉपर्टीज, कन्वेंशन सेंटर्स, मार्ग सुविधा केन्द्र और अन्य परियोजनाओं में निजी निवेशकों को निवेश के लिये आमंत्रित करना था। उपस्थित निवेशकों के समक्ष राज्य की टूरिज्म परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं पर प्रेजेंटेशन दिए गए और वन.टू.वन मीटिंग भी हुई। इस श्रंखला के बेहतर परिणाम भी प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा चंदेरी में हैण्डलूम पार्क का लोकार्पण

चंदेरी : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अशोक नगर जिले के चंदेरी में 30 करोड़ 69 लाख रूपये की राशि से निर्मित चंदेरी हैण्डलूम पार्क का लोकार्पण किया। श्री चौहान ने चंदेरी को पर्यटक स्थल का दर्जा देने 3 करोड़ रूपए की राशि की मंजूरी और चंदेरी को पर्यटन सर्किट से जोड़े जाने की घोषणा की।

श्री चौहान ने 126 करोड़ की लागत वाले 55 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों की राजस्व से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। तीन माह की समय सीमा निर्धारित कर प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि इस अवधि के बाद अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन का कोई भी प्रकरण लंबित पाया जाता है तो शिकायत करने वाले हितग्राहियों को एक लाख रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा और यह राशि संबंधित अधिकारी से वसूल की जाएगी।

कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री एवं लोक सेवा प्रबंधन, जन–शिकायत मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया, कृषि विकास एवं कृषि कल्याण मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन, सांसद श्री प्रभात झा, अशोकनगर के विधायक श्री गोपीलाल जाटव आदि उपस्थित थे।

चंदेरी को मिली सौगातें :

- **चंदेरी में 30 करोड़ 69 लाख रूपये की राशि से निर्मित चंदेरी हैण्डलूम पार्क का हुआ लोकार्पण।**
- **चंदेरी को पर्यटक स्थल का दर्जा, 3 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत।**
- **चंदेरी को पर्यटन सर्किट से जोड़ा जाएगा।**

सीएम ट्वीट्स

ShivrajSingh Chouhan @ChouhanShiv... · 6h
पर्यटन राज्यमंत्री श्री @SurendraPatwa01 ने प्रदेश को प्राप्त पुरस्कारों को आज मुझे भेंट किया तो हृदय एक नई ऊर्जा और आनंद से भर गया।

Shivraj Singh Chouhan
4 mins ·

मध्यप्रदेश के लिए आज विशेष हर्ष एवं आनंद का दिन है। भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द के कर कमलों से मध्यप्रदेश पर्यटन को 'हॉल ऑफ फेम' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ। इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों में 10 राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। इसके पूर्व भी प्रदेश पर्यटन को क्रमशः 5 और 6 राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित होने का गौरव हासिल हो चुका है। मैं मध्यप्रदेश के पर्यटन मंत्री श्री सुरेन्द्रनाथ पटवा और उनकी पूरी टीम को राष्ट्रीय पुरस्कारों और निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हृदय से बधाई देता हूँ। हनुवंतिया जल महोत्सव के प्रयास को पूरी दुनिया ने सराहा और अपना स्नेह दिया। बेस्ट स्टेट फॉर एडवेंचर टूरिज्म, चंदेरी को बेस्ट हेरिटेज सिटी, उज्जैन को टूरिस्ट फ्रेंडली रेलवे स्टेशन का राष्ट्रीय अवॉर्ड मिलने से हमारा उत्साह और बढ़ा है। राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रदेश के हर नागरिक को बधाई। #NayaMP #MPTourism

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा CM Dashboard और MP-MYGOV पोर्टल का लोकार्पण

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि CM Dashboard और MP-MYGOV पोर्टल नागरिकों की सहभागिता का प्रभावी माध्यम बने। इसके माध्यम से विभिन्न योजनाओं पर जनता की सीधी नजर होगी। श्री चौहान ने यह बात हाल ही में यहाँ पोर्टल लोकार्पण कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर मंत्रि–परिषद के सदस्य, मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राजस्व विभाग द्वारा राजस्व न्यायालय मॉनीटरिंग सिस्टम के संबंध में जानकारी देकर पोर्टल की व्यावहारिक उपयोगिता और विभागीय गतिविधियों के प्रभावी संचालन में होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि सी.एम.डैश बोर्ड से प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी होगी। क्रियान्वयन परिणाम मूलक होगा। पोर्टल त्वरित प्रशासनिक निर्णय लेने में सहयोगी होगा। उच्च स्तरीय डाटाबेस भी तैयार हो सकेगा। आंकड़ों का सुविधाजनक सांख्यिकीय विश्लेषण संभव होगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ–दर्शन योजना में दस नए तीर्थ–स्थल शामिल

भोपाल: मुख्यमंत्री तीर्थ–दर्शन योजना में दस नये तीर्थ–स्थलों गंगा–सागर, कामाख्या देवी, गिरनार जी, पटना साहिब तथा मध्यप्रदेश के 'उज्जैन, मैहर, श्री राम राजा मंदिर ओरछा, चित्रकूट, ओंकारेश्वर और महेश्वर' को शामिल किया गया है। पूर्व में तीर्थ–यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, जगन्नाथ पुरी, द्वारका पुरी, हरिद्वार, अमरनाथ, वैष्णो देवी, शिर्डी, तिरूपति, अजमेर शरीफ, रामदेवरा, काशी, गया, अमृतसर, रामेश्वरम, सम्मेद शिखर, श्रवणबेलगोला, तेलांगणी चर्च की यात्रा कराई गई है। इसके अतिरिक्त यात्रियों को कैलाश मानसरोवर, पाकिस्तान स्थित हिंगलाज देवी मंदिर तथा ननकाना सहिब, श्रीलंका के सीता मंदिर अशोक वाटिका तथा कंबोडिया के अंकोरवार मंदिर यात्रा का भी प्रावधान है। तीर्थ–यात्रियों को यात्रा के दौरान आवश्यक वस्तुओं का किट, गंतव्य तीर्थ के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व की जानकारियों का ब्रोशर भी उपलब्ध करवाया जायेगा।

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के प्रतिष्ठित जल–महोत्सव हनुवंतिया के तृतीय सोपान का शुभारंभ किया। इस शुभ–प्रसंग पर श्री चौहान ने पुण्य–सलिला माँ नर्मदा की सपत्नीक पूजा–अर्चना की। मुख्यमंत्री ने 22 श्रेणी में एम.पी. टूरिज्म अवार्ड भी प्रदान किये।

जल–महोत्सव के शुभारंभ मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री कुँवर विजय शाह, ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन, सांसद श्री नंद कुमार सिंह चौहान, पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा, पर्यटन निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक एवं सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव मौजूद थे।

एक साथ 10 नेशनल अवार्ड मिलना बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री श्री चौहान

टीम पर्यटन से मिलकर दी बधाई

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को मंत्रि-परिषद की बैठक में पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा ने पर्यटन विभाग को प्राप्त 10 नेशनल अवार्ड सौंपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक के उपरांत टीम पर्यटन से मंत्रालय में भेंट कर चर्चा की और उनको इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिये बधाई और शुभकामनाएँ दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पर्यटन की टीम बहुत अच्छा काम कर रही है। एक साथ 10 राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश के विकास में पर्यटन का स्थान प्रमुख है। यह रोजगार सृजन का बड़ा जरिया है। उन्होंने 6 अक्टूबर से प्रारंभ पर्यटन पर्व के दौरान पर्यटन गतिविधियों का व्यापक स्तर पर संचालन करने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि पूरे उत्साह और जज़्बे के साथ कार्य किये जायें।

पर्यटन सचिव श्री हरि रंजन राव ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर मध्यप्रदेश को एक साथ 10 राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुए। नेशनल अवार्ड वितरण समारोह में मध्यप्रदेश में आयोजित 'जल-महोत्सव हनुवंतिया को मोस्ट इनोवेटिव टूरिस्ट प्रोडक्ट' और मध्यप्रदेश टूरिज्म को हाल ऑफ फेम का बेस्ट स्टेट फॉर एडवेंचर टूरिज्म का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ। 'चंदेरी को बेस्ट हेरिटेज सिटी', खरगौन को सिविक मैनेजमेंट ऑफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन इंडिया, उज्जैन रेलवे स्टेशन को टूरिस्ट फ्रेंडली रेलवे स्टेशन और इंग्लिश कॉफी टेबल बुक को एक्सिलेंस इन पब्लिशिंग का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बेस्ट फिल्म प्रमोशन फ्रेंडली स्टेट/यूनियन टेराटोरी में फिल्म प्रमोशन पॉलिसी का राष्ट्रीय अवार्ड भी मध्यप्रदेश पर्यटन को प्राप्त हुआ। सिंहस्थ - 2016 में मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा प्रकाशित हिन्दी ब्रोशर को एक्सीलेंस इन पब्लिशिंग इन हिन्दी ब्रोशर का राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हुआ। बेस्ट वाइल्ड लाइफ गाइड का राष्ट्रीय पुरस्कार पचमढ़ी के श्री सईब खान को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक, पर्यटन निगम की प्रबंध संचालक श्रीमती छवि भारद्वाज, बोर्ड के अपर प्रबंधक संचालक डॉ. श्रीकांत पाण्डेय, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल : पर्यटन पर्व में सर्वश्रेष्ठ सहभागिता के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन को नई दिल्ली में नेशनल अवार्ड प्रदान किया गया। केन्द्री वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने सचिव पर्यटन श्री हरिरंजन राव को यह अवार्ड दिया।